ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

अरवल(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	31.0	32.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	20.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	290	290	250	210
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

भागलपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	5.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	30.0	31.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	20.0	20.0	20.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	85	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	55	50	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	50	290	270	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	4	2	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• इस सप्ताह के दौरान आसमान में आंशिक रूप में बादल छाये रहेंगे । • इस सप्ताह के दौरान हल्का बारिश होने की संभावना है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

भोजपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	31.0	32.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	20.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	290	290	250	210
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

बक्सर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	19.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	290	290	250	210
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	19.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	290	250	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

कैमूर (भभुआ)(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	31.0	30.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	18.0	18.0	17.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	290	290	250	210
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-18 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

लखीसराय(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	19.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	290	250	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

मुंगेर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	5.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	30.0	32.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	19.0	18.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	85	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	55	50	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	50	290	270	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	4	2	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• इस सप्ताह के दौरान आसमान में आंशिक रूप में बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्का बारिश होने की संभावना है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-33 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

नालंदा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	19.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	290	250	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

पटना(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	19.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	290	250	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-10-2023

रोहतास(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-24	2023-10-25	2023-10-26	2023-10-27	2023-10-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	31.0	30.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	19.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	10	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	290	290	250	210
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ़ रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है । • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों जैसा दालें, गेहूं, मूंगफली, सरसों आदि के लिए खेत तैयार करना शुरू करें। किसानों को अल्पअवधि की तोरिया, शुरुआती आलू, सूरजमुखी और सब्जियों की बुवाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में- पूसा विजय, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30, पूसा सरसों-31, पूसा सरसों-32। बीज दर– 1.5-2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेंच मूली); पालक- आल ग्रीन,पूसा भारती; शलगम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी-पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना,पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मोंकी बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।
पौध - संरक्षण	मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।